हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-12 हरिद्वार, गुरूवार,01 मई, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

गंगोत्री - यमुनोत्री के कपाट खुले, मोदी के नाम पर पहली पूजा

उत्तरकाशी । गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा 2025 का भी शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन समारोह में संकल्प लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की है। श्री पुष्कर सिंह धामी यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में पहुंचने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। इस अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार बुधवार सुबह मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची। गंगोत्री धाम में विशेष पूजा-अभिषेक के साथ पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। मां यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची। धार्मिक विधि- विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनात्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। कपाट खुलने के अवसर पर देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किये तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन समारोहों में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने माँ गंगा एवं यमुना के मंदिरों में शीश नवाया और विशेष पूजा-अर्चना की । श्री धामी ने दोनों धामों में पहुँची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीष प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। उत्तराखण्ड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केन्द्र हैं और इन धामों की यात्रा का सौभाग्य प्राप्त करने की आकांक्षा हर श्रद्धालु के मन में रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए राज्य में व्यापक प्रबंध किये गये हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगमता को ध्यान में रखते सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये गये हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में श्रद्धालु को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिथि देवो भव: की परंपरा के अनुसार हमारा प्रयास है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालु देवभूमि उत्तराखण्ड से दिव्य धामों के शुभाशीष के साथ ही यात्रा का सुखद अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने ग्रीन और क्लीन चारधाम यात्रा के आयोजन के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपील भी की है।

गंगोत्री धाम में कपाटोद्घाटन के अवसर पर विधायक श्री सुरेश चौहान, गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री धर्मानंद सेमवाल, सचिव श्री सुरेश सेमवाल, पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नागेंद्र चौहान, श्री किशोर भट्ट, जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट, पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल, आदि मौजूद थे। यमुनोत्री धाम में कपाटोद्घाटन के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी उत्तरकाशी श्री एस.एल सेमवाल, उप जिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी, यमुनोत्री मंदिर समिति के उपाध्यक्ष श्री संजीव उनियाल ,सचिव श्री सुनील उनियाल भी मौजूद थे।

हरिद्वार : भाजपा का कांग्रेस पर तीखा प्रहार, संविधान बचाओ यात्रा को बताया 'भ्रम का जाल'

हरिद्वार ,संवाददाता । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य दर्जा मंत्री मथुरा दत्त जोशी ने आज हरिद्वार प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा को देश को गुमराह करने और अराजकता फैलाने की साजिश करार दिया। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपने नकारात्मक रवैये के कारण राजनीतिक रूप से हाशिए पर जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हताशा में झूठ और भ्रम की राजनीति कर रही है। उन्होंने कांग्रेस के संविधान बचाने के दावों को खोखला बताते हुए कहा कि जिस पार्टी ने लोकतंत्र और संविधान का खून किया है, वह आज संविधान बचाने की बात कर रही है। जोशी ने आपातकाल को भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया और आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने सिंहासन को बचाने के लिए लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। उन्होंने धारा 356 के दुरुपयोग को कांग्रेस का दूसरा सबसे बड़ा पाप बताया और कहा कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए चुनी हुई सरकारों को बार-बार गिराया।

उन्होंने संविधान में छेड़छाड़ करने और उसे कमजोर करने के कांग्रेस के लंबे इतिहास का भी जिक्र किया। जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान के विपरीत जाकर जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लागू कर उसे देश से अलग करने का पाप किया। उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने और वक्फ बोर्ड की माफियागिरी को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने और सेना का मनोबल तोड़ने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों का भी अपमान किया है।

जोशी ने कांग्रेस के उन कार्यों की भी चर्चा की, जिनके द्वारा कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं का अपमान किया जैसे 1949 में धारा 370 लागू करना, 1954 में वक्फ कानून लाना, 1975 में आपातकाल लगाना, 1985 में शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटना, 2013 में वक्फ बोर्ड को भू-माफिया बोर्ड में बदलना और सोनिया गांधी को सुपर पीएम के रूप में स्थापित करना।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी ही सरकार के अध्यादेश को फाड़ा था, आज संविधान बचाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान के सम्मान में संविधान दिवस मनाने का विरोध करने का भी आरोप लगाया।

हरिद्वार सिडकुल थाने को मिला अपना भवन, डीपीजी ने किया उद्घाटन

हरिद्वार । औद्योगिक क्षेत्र सिडकुल को लंबे इंतजार के बाद आखिरकार नए थाने की सौगात मिल गई। अभी तक पुलिस चौकी के भवन में चल रहे सिडकुल थाने को अब अपना नया भवन मिलने जा रहा है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने मंगलवार को सिडकुल स्थित आईएमसी चौक पर प्रस्तावित थाना भवन का विधिवत शिलान्यास किया। नया भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। औद्योगिक क्षेत्र के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल की इस शानदार पहल से सिडकुल के उद्यमियों के अलावा आम जनता को भी लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दीपम सेठ को मौके पर सेरिमोनियल गार्द की ओर से सलामी दी गई। इसके उपरांत उन्होंने वैदिक रीति से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से नए थाना भवन की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होती दिख रही है। नया थाना भवन औद्योगिक क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। पुलिस प्रशासन के अनुसार भवन का स्वरूप वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वर्तमान में संचालित थाना सिडकुल को इसी भवन में स्थानांतरित किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में अपराध निरीक्षक जितेन्द्र मेहरा, नगर क्षेत्राधिकारी पंकज गैरोला, क्षेत्राधिकारी सदर जितेंद्र चौधरी, सिडकुल थाना प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी, वरिष्ठ उप निरीक्षक नंदकिशोर ग्वाड़ी सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि नया भवन न केवल पुलिस बल की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उद्यमियों व आमजन को बेहतर सुरक्षा और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराएगा। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड पुलिस जनता की सेवा, सुरक्षा और विश्वास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बेहतर कानून व्यवस्था के लिए ठोस भौतिक ढांचे की आवश्यकता होती है, और यह नया थाना भवन उसी दिशा में एक सशक्त कदम है।

सम्पादकीय

उत्तराखंड में छिपे शत्रु

उत्तराखंड, देवभूमि के शांत आंचल में, एक चिंताजनक सच्चाई सामने आई है। यहां, लगभग 250 पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनमें से दो को पहले ही वापस भेजा जा चुका है और आज एक और की बारी है। यह खबर न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था और राज्य की संवेदनशीलता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च-स्तरीय बैठक ने इस दिशा में कार्रवाई को गति दी है, यह स्वागत योग्य कदम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिस तत्परता से इस मामले को संज्ञान में लिया है और पुलिस महानिदेशक को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, वह सराहनीय है। यह स्पष्ट संदेश देता है कि हमारी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है। हालांकि, कुछ सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। ये पाकिस्तानी नागरिक कब और कैसे उत्तराखंड में दाखिल हुए? क्या इनके पास वैध दस्तावेज थे या इन्होंने धोखे से पहचान छिपाई? इतने लंबे समय तक ये हमारी सुरक्षा एजेंसियों की नज़रों से कैसे बचे रहे? यह हमारी खुफिया तंत्र और सीमा सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। यह केवल कानून और व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता का विषय है। एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते, उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति इसे और भी संवेदनशील बनाती है। यहां किसी भी बाहरी तत्व की उपस्थिति, खासकर ऐसे समय में जब सीमा पार आतंकवाद एक गंभीर खतरा बना हुआ है, हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शत्रु केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़ा नहीं होता, वह हमारे बीच घुलमिलकर भी हमारी जड़ों को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। इन चिह्नित पाकिस्तानी नागरिकों की मंशा क्या है, यह गहन जांच का विषय है। कहीं ये किसी नापाक साजिश का हिस्सा तो नहीं? क्या इनका इस्तेमाल हमारी शांति और स्थिरता को भंग करने के लिए किया जा सकता है? सरकार को न केवल इन चिह्नित नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया को तेज करना होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी अवैध रूप से हमारे राज्य में प्रवेश न कर सके। इसके लिए सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने, खुफिया तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने और स्थानीय स्तर पर पहचान प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने की आवश्यकता है। उत्तराखंड के नागरिकों के रूप में, हमें भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की जिम्मेदारी निभानी होगी। यह हमारी सामूहिक सुरक्षा का प्रश्न है और इसमें हर नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। यह समय complacenc4 का नहीं, बल्कि सतर्कता और दृढ़ कार्रवाई का है। हमें अपनी धरती को उन सभी तत्वों से मुक्त करना होगा जो हमारी शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। मुख्यमंत्री धामी ने जो पहल की है, उसे एक निर्णायक मुकाम तक पहुंचाना होगा, ताकि देवभूमि हमेशा सुरक्षित और शांत बनी रहे। यह केवल 250 व्यक्तियों का मामला नहीं है, यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और सुरक्षा का प्रश्न है, जिस पर किसी भी प्रकार की ढिलाई अक्षम्य होगी।

शांति सभी के लिए हितकर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर जो नजारा पेश आया उसमें एक साथ कई स्थितियां झलकती हैं। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सदस्य ने स्थगन प्रस्ताव रखा कि सारा काम रोक कर वक्फ अधिनियम पर चर्चा की जाए और इसके विरोध में उसी तरह प्रस्ताव पारित किया जाए जिस तरह तमिलनाडु विधानसभा में किया गया। एक सदस्य ने कहा कि जब 6 फीसद मुस्लिम आबादी वाला तमिलनाडु वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकता है तो मुस्लिम बहुल आबादी वाला जम्मू-कश्मीर क्यों नहीं यानी यहां वक्फ अधिनियम का विरोध मुस्लिम दृष्टिकोण से है। जब जम्मू-कश्मीर भाजपा के विधायक इस तरह के प्रस्ताव का विरोध करते हैं तब यह मामला सीधे-सीधे हिन्दू-मुसलमान का हो जाता है। लेकिन जब नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा चयनित विधानसभा अध्यक्ष पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देता और तमिलनाडु की तुलना पर कहता है कि इस समय यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है जबकि तमिलनाडु में उस समय प्रस्ताव पास हुआ था जब मामला न्यायालय में नहीं गया था। लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कुछ निर्दलीय मुस्लिम विधायकों ने अध्यक्ष की बात को नकार दिया तो हंगामा यहां तक बढ़ा कि 'भारत माता की जय' और 'अल्लाह हू अक्बर' के नारे लगने लगे, धक्का-मुक्की हुई, हाथापाई भी हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कोशिश यह दिखाई दी कि वह वक्फ अधिनियम का विरोध करते हुए भी दिखाई दें, मगर वास्तव में विरोध नहीं करें। जम्मू-कश्मीर की यह स्थिति मजहब, राजनीति और सत्ता के तेजी से बिगड़ते संतुलन का प्रतीक है। विधानसभा में जिस तरह की सांप्रदायिक कटुता दिखाई दी अगर वह सदन से बाहर प्रसारित होती है तो जम्मू-कश्मीर इस समय थोड़ी शांति से जी रहा है, फिर से उपद्रवी हालात की ओर मुड़ सकता है। ऐसी सूरत में मुख्यमंत्री उमर की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस मामले को यथाशीघ्र शांत करें और इसे अराजकवादी तत्वों के हाथ में पहुंचने से रोकें। केंद्र सरकार को भी इस मामले को हलके में नहीं लेना चाहिए। भाजपा और मुस्लिम नेताओं की भी इसमें जिम्मेदारी बनती है कि इस मुद्दे पर वे लोगों को अनावश्यक तौर पर न भडक़ाएं क्योंकि शांति सभी के लिए हितकर है। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

पहलगाम हमला: राजनीति नहीं अब रणनीति तय करने की आवश्यकता

(संदीप सृजन)

पहलगाम की बैसरन घाटी, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है, एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहाँ हुए हमले की टाइमिंग कई मायनों में महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह हमला तब हुआ जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। दूसरा, यह अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से ठीक पहले हुआ, जो कश्मीर में पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख समय होता है। तीसरा, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की जुगुलर वेन (जीवन रेखा) बताया था, ने इस हमले को एक सुनियोजित भू-राजनीतिक कदम के रूप में देखने का आधार दिया। इस हमले का तरीका भी चिंताजनक है। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, उनकी धार्मिक पहचान पूछी, और हिंदू नामों वाले लोगों पर गोलियां चलाईं। यह रणनीति न केवल सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश थी, बल्कि कश्मीर के पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी था। यह हमला 2000 के छत्तीसिंहपुरा नरसंहार और 2023 में हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले की याद दिलाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय आतंकी गठजोड़ की आशंका बढ़ी है।

पहलगाम हमले को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है, खासकर तब जब भारत में हर घटना को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा जाता है। कुछ नेताओं ने इस हमले को धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जबकि अन्य ने सरकार की सुरक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। हालांकि, इस दृष्टिकोण से केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक रणनीतिक अवसरों को नजरअंदाज करता है।

यह हमला भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर है सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का। पहलगाम हमले ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों को उजागर किया। खुफिया जानकारी की कमी, पर्यटक स्थलों पर अपर्याप्त सुरक्षा, और आतंकियों की घुसपैठ की आसानी ने सवाल उठाए। यह भारत के लिए अपनी खुफिया एजेंसियों, जैसे रॉ और आईबी, को और सशक्त करने का अवसर है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और अन्य आतंकवाद-रोधी इकाइयों को पर्यटक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात करने की रणनीति पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, ड्रोन और सैटेलाइट निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा सकता है।

इस हमले की निंदा अमेरिका, ब्रिटेन, और यहां तक कि तालिबान ने भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में और अधिक उजागर करे। संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) जैसे मंचों पर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर सकता है। साथ ही, हमास और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के बीच संभावित गठजोड़ की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

भारत ने हमले के तुरंत बाद कड़े कदम उठाए। कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की बैठक में 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द करने और अटारी सीमा पोस्ट को बंद करने जैसे फैसले लिए गए। यह भारत की पानी की चोट रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि पर दबाव डालना है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रोक दीं, जो एक सांकेतिक कदम है। यह रणनीति पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पहलगाम हमला कश्मीर में हाल के वर्षों में स्थापित शांति और पर्यटन की प्रगति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह कश्मीर में विकास परियोजनाओं, जैसे रेलवे और सड़क नेटवर्क, को और तेज करे। साथ ही, स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान करके आतंकवाद के प्रति उनकी उदासीनता को और बढ़ाया जा सकता है। कश्मीरियों के बीच भारत के प्रति विश्वास को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की बात दोहराई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मौजूदगी में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में थल, जल, और वायु सेना के विकल्पों पर चर्चा हुई। यह भारत के लिए सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य लक्षित कार्रवाइयों के माध्यम से आतंकी ठिकानों को नष्ट करने का अवसर है। साथ ही, सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

रणनीतिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। पहला, आंतरिक राजनीतिक मतभेद इस प्रक्रिया को जटिल बना सकते हैं। विपक्षी दलों द्वारा हमले को सरकार की विफलता के रूप में चित्रित करना रणनीतिक एकजुटता को कमजोर कर सकता है। दूसरा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निरंतर समर्थन प्राप्त करना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब पाकिस्तान अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज करेगा। तीसरा, कश्मीर में स्थानीय आबादी के बीच विश्वास बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इस तरह के हमले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमला एक दुखद घटना है, लेकिन इसे केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना भारत के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। यह हमला भारत के लिए अपनी सुरक्षा, कूटनीति, और सैन्य रणनीति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए भारत को आर्थिक, कूटनीतिक, और सैन्य दबाव बढ़ाना होगा। साथ ही, कश्मीर में शांति और विकास को प्राथमिकता देकर आतंकवाद के मूल कारणों को संबोधित करना होगा। यह समय है कि भारत इस त्रासदी को एक रणनीतिक अवसर में बदल दे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और कश्मीर में स्थायी शांति स्थापित हो सके।

डेंगू नियंत्रण और जागरूकता के लिए स्कूलों को एडवाइजरी जारी करने के दिए निर्देश

स्कूल में फुल ड्रेस सहित बुलाएं बच्चे, मुख्य शिक्षा अधिकारी को आदेश का परिपालन के दिए निर्देश

देहरादून । डेंगू एवं अन्य जल जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी सविन बंसल ने शनिवार को ऋषिपर्णा सभागार में स्वास्थ्य एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सक्रियता से काम करते हुए डेंगू पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देशित किया कि पर्याप्त संख्या मैनपावर और मशीनरी लगाते हुए रिसपना व विदांल नदी के तटों सहित शहर के सभी छोड़े बडे नाले व ड्रेन की 15 मई तक प्रत्येक दशा में साफ-सफाई का काम पूर्ण किया जाए। डेंगू के हॉट स्पॉट एरिया पर विशेष फोकस करें। सभी क्षेत्रों में लार्विसाइडल टैंकर से केमिकल का छिडकाव करते हुए डेंगू मच्छर को लार्वा अवस्था में ही नष्ट किया जाए। प्रत्येक वार्ड में नियमित रूप से फॉगिंग की जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम को लार्विसाइड 06 टैंकरों की संख्या बढ़ाकर 20 करने के निर्देश भी दिए। कहा कि प्रत्येक 10 वार्ड के लिए एक डेडिकेटेड लार्विसाइड टैंकर तैनात रहे। इसके लिए निगम को पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जाएगा। सभी वार्डो में नियमित स्वच्छता, जलभराव रोकने, लार्विसाइडल एवं फॉगिंग से कैमिकल छिड़काव हेतु पूरा प्लान तैयार करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करें। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जल जभरा को रोकने के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी करें। जलभराव, गंदगी और डेंगू का लार्वा पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करते हुए चालान काटा जाए। आशा कार्यकत्री, वॉलिंटियर्स, रैपिड रिस्पांस टीम एवं वार्ड सदस्यों को साथ लेकर नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में प्रभावी ढंग से जागरूकता गोष्ठियों का आयोजन किया जाए। डीएम ने कहा कि डेंगू मलेरिया का है यहूवतेज लमंत, यह मानकर हो जाएं चिकित्सक, व निगम कर्मी तैयार रहे। डीएम ने स्पष्ट कहा लार्वा सोर्स रिडक्शन, सर्विलांस, हर घर का हरहाल में होना ही पूर्ण, अपनी आशाओं को जिले से हम देंगे 1500 रू0 का अतिरिक्त ठववद (उपहार)। समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग सरकारी व्यवस्था पर निर्भर: हमारे जन अस्पतालों को हमें बनाना है पूर्ण सक्षम दून में बल्डे मचंतंजवते 02 से किए जाएं 05, डीएम ने चिकित्सा व नगर निगम को 5-5 लाख एडवांस फंड भी जारी किया। उन्होंने कहा कि वंचित निर्बल वर्ग व्यथित होकर प्राईवेट मंहगी सेवा के लिए न हो मजबूर ये ध्यान रखे अधिकारी। उन्होंने कहा कि कोई भी जनमन मैन, मटिरियल, मशीनरी के अभाव में न हो रोग ग्रसित। लार्वीसाईडिल स्प्रे के टैंक किए चौगुने 5 से 20, अगले सप्ताह से ही दिखें जनता को 20 टैंक: निगम को निर्देश। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई नदी नाला चौक न दिखे, 15 मई तक नगर निगम कराए सभी नदी, नालों, नालियों की सफाई, डेडलाईन तय की। हॉस्पिटलै नतहम प्लान सीएमओ करें तैयार, संक्रमण बढने की दशा में शार्ट नोटिस पर एकत्रित हो जाने चाहिए दूर-दराज पीएचसी, सीएचसी की चिकित्सकीय टीमें। आशाओं का वार्डवार प्लान, विभागों की डेंगू नियंत्रण गतिविधि, नालों की सफाई, गूगल स्प्रेड शीट के द्वारा होगी मॉनिटरिगं: सार्वजनिक की जाएगी समस्त प्रगति जानकारी।

डीएम ने कहा कि सीएम की अवधाराणा फील्ड वर्कर हैं हमारे रियल वारियर्स, आशाओं को 1500 रू0 सर्विलांस कार्यों हेतु इंसेटिवं रायफल क्लब से जिला प्रशासन देगा। केस बढने का इंतजार न करें विभाग, लार्वी साईडिल का छिड़काव, सर्विलांस कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश। वार्डों में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन, डोर-टू-डोर जाकर जनमानस को जनजागरूक करेंगी टीमे।व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कैंपस व सार्वजनिक स्थलों पर जलजमाव मिला तो कटेगा भारी चालान:सैनेट्री इंस्पैक्टर्स को सख्त निर्देश। रैपिड रिस्पांस टीम, वालिंटिर्यस एवं कंट्रोलरूम किए जाएं तत्काल सक्रिय बनाए नतहम प्लान। डेंगू नियंत्रण और जागरूकता के लिए स्कूलों एडवाइजरी जारी करने के दिए निर्देश। स्कूल में फुल सममअे मे ड्रेस सहित बुलाएं बच्चे, मुख्य शिक्षा अधिकारी को आदेश का परिपालन के निर्देश

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि डेंगू मरीजों के उपचार हेतु अस्पतालों में रैपिट टेस्ट, डेंगू एलिसा टेस्ट, उपकरण, मेडिसिन, ब्लड बैंक, बैड सहित चिकित्सक और स्टाफ की तैनात करते हुए ड्यूटी निर्धारित की जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग को एडवांस में 05-05लाख की धनराशि भी जारी की। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि कंट्रोल रूम को एक्टिव रखा जाए। अस्पतालों को जो मशीनें दी गई है, उनको सक्रिय रखें। डेंगू की जांच के लिए लैब की दरें निर्धारित की जाए। डेंगू का कोई भी मामला सामने आने पर शॉर्ट नोटिस पर पूरी मशीनरी एक्टिव रहे। देहरादून और ऋषिकेश नगर क्षेत्रों में आशाओं को वार्ड आवंटन, आशाओं को डोर-टू-डोर सर्वे, रैपिड रिस्पांस टीम व वालिटियर्स की तैनाती के लिए माइक्रो प्लान तैयार किया जाए। ताकि डेंगू, मलेरिया चिकनगुनिया एवं अन्य जल जनित बीमारियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आशाओं को एनएचएम से एक हजार, नगर निगम से 1500 के साथ अब जिला प्रशासन की ओर से भी 1500 रुपए की अतिरिक्त इन्सेंटिव धनराशि दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने अस्पताल को 02 ब्लड सेपरेटर मशीन की संख्या बढ़ाकर 05 सेपरेटर मशीन रखने के निर्देश दिए। कहा कि ब्लड सेपरेटर मशीन के लिए अस्पताल को अलग से बजट उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि डेंगू, मलेरिया एवं अन्य जल जनित रोगों के प्रति जागरूकता एवं रोकथाम हेतु सभी स्कूलों को एडवाइजरी जारी की जाए।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने डेंगू रोकथाम को लेकर की गई तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि वर्ष 2022 में डेंगू के 1434 तथा वर्ष 2023 तथा वर्ष 2024 में 37 मामले सामने आए थे। इस वर्ष अभी तक 21 मामले सामने आ चुके है। अस्तालों में डेंगू उपचार के लिए समुचित व्यवस्थाओं के साथ माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एसडीएम हरिगिरि, उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 मुकेश कुमार, सीएमएस डा0 प्रदीप चौहान, सीएमएस मसूरी डा0 यतेन्द्र सिंह, एसीएमओ डा0 सीएस रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढ़ौडियाल, नगर पालिका क्षेत्रों से अधिशासी अधिकारी, ब्लड बैंक के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कैंपटी घूमकर लौट रहे पर्यटकों की कार में लगी आग, छह लोग थे सवार

देहरादून । दोपहर बाद कार सवार कैंपटी फॉल घूमने के बाद वापस देहरादून लौट रहे थे। जीरो प्वाइंट के पास पहुंचते ही वाहन से पहले हल्का धुंआ निकलने लगा। देखते ही देखते कार से आग की लपटें उठने लगी। मसूरी शहर के कैंपटी रोड पर रविवार को पर्यटक वाहन में अचानक आग लग गई। हादसे में वाहन में सवार सभी छह लोग बाल-बाल बचे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर घटना स्थल पर पहुंचे और बामुश्किल आग बुझाई। जानकारी के अनुसार, दोपहर बाद कार सवार कैंपटी फॉल घूमने के बाद वापस देहरादून लौट रहे थे। जीरो प्वाइंट के पास पहुंचते ही वाहन से पहले हल्का धुंआ निकलने लगा, इसी दौरान वाहन चालक ने सवारी को उतार कर वाहन सड़क किनारे खड़ा कर दिया। इसी बीच कार में आग की लपटें तेज हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर सर्विस मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुटे। वाहन में चालक सहित छह लोग सवार थे। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे कुछ देर के लिए सड़क पर जाम लग गया, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात सुचारू किया। सब इंस्पेक्टर जैनेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि वाहन करीब 80 प्रतिशत जल चुका है। वाहन चालक शोएब पुत्र अब्दुल करीम ब्राह्मणवाला देहरादून का रहने वाला है। वाहन में सवार चार लोगों के साथ एक बच्चा भी था। ये लोग देहरादून के माजरा के रहने वाले हैं। वाहन की सभी सवारी व चालाक सुरक्षित हैं।

ईडीआईआई ने अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया

देहरादून । एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई)

ने 20 अप्रैल को अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने इस अवसर पर वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने गुजरात के अद्वितीय विकास मॉडल की सराहना की और देश व बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईडीआईआई की भूमिका की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा, आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, एक अग्रणी स्टार्टअप राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, और इस दिशा में ईडीआईआई का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने ईडीआईआई गोवा केंद्र द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का भी उल्लेख किया। इस मौके पर दिनेश सिंह रावत ने कहा, ईडीआईआई ने उद्यमिता का उपयोग करके सभी वर्गों के लोगों के उत्थान और उन्नत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्य अतिथि डॉ. पिरुज़ खंबाटा ने कहा, कि उद्यमिता ने लंबा सफर तय किया है; इसे सामाजिक-आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली साधन के रूप में सराहा जा रहा है। 'विकसित भारत' की परिकल्पना उद्यमिता, कौशल विकास, टेक्नोलोजी, ईनोवेशन और विस्तारित बाजारों जैसे स्तंभों पर आधारित है। मैं ईडीआईआई की सराहना करता हूँ। सुनील अंचीपाका, सचिव (उद्योग), गोवा ने कहा, गोवा अपनी अनोखी संस्कृति, रचनात्मकता और वाणिज्यिक दृष्टिकोण के साथ तेजी से सबसे प्रगतिशील राज्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। इस कार्यक्रम में बी. एस. पाई आंगले, मेनेजिंग डायरेक्टर, ईडीसी लिमिटेड, गोवा; दिनेश सिंह रावत पल, चीफ जनरल मेनेजर एवं जोनल हेड (अहमदाबाद ज़ोन), आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद (एवं गवर्निंग बोर्ड मेम्बर, ईडीआईआई) तथा डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई आदि शामिल रहे ।

पुलिस ने डॉगी की मदद से एक घर में छापा मारकर स्मैक पकड़ी

रुड़की। पुलिस ने एक घर में छापा मारकर डॉगी बेला की मदद से बेड के अंदर से 11.76 ग्राम स्मैक भी बरामद की है। वहीं, आरोपी महिला मौका पाकर फरार हो गई। इस मामले में पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दंपती पर केस दर्ज कर फरार महिला की तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइंस कोतवाली के प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस कुश मिश्रा को सूचना मिली थी कि बंदा रोड माहिग्रान मोहल्ले में एक दंपती अपने घर से स्मैक बेच रहा है। सूचना पर एएसपी ने पुलिस टीम और डॉगी बेला को साथ लेकर घर में छापा मारा। इस दौरान पुलिस के आने की भनक लगने पर महिला घर की छत के सहारे मौके से फरार हो गई। पुलिस ने महिला के पति से पूछताछ की तो पता चला कि वह घर के अंदर से ही स्मैक की पुड़िया बनाकर बिक्री करते हैं। पुलिस ने स्मैक के बारे में जानकारी ली तो वह कुछ नहीं बता पाया। इस पर डॉगी बेला ने कमरे में पहुंचकर बेड के अंदर कुछ संदिग्ध वस्तु होने का संकेत पुलिस को दिया। पुलिस ने बेड की तलाशी ली तो 11.76 ग्राम स्मैक बरामद हुई। एएसपी कुश मिश्रा ने बताया कि पति इमरान और पत्नी मेसर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साथ ही महिला की तलाश की जा रही है। एएसपी कुश मिश्रा को पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि मेसर घर के अंदर से ही स्मैक बेच रही है।

भक्ति और शक्ति के श्रेष्ठ अवतार भगवान श्री परशुराम

हमारा देश प्रभुता सम्पन्न प्रजातान्त्रिक, लोकतंत्रात्मक गणतंत्र प्रणाली का देश हैं जनता का शासन, जनता के द्वारा और जनता के लिये ही प्रजातंत्र का मूलमंत्र हैं क्या आप जानते हैं कि इस प्रजातांत्रिक पद्धति के सूत्रधार कौन थे ? राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के सूत्रधार कौन थे ? इस राष्ट्रीय एकता के स्वप्नदृष्टा कौन थे? स्मरण कीजिये कि युद्ध में भगवान परशुराम द्वारा सहस्रार्जुन मारा गया और उसके इक्कीस सहयोगी राजा भी परास्त कर दिये तो एकमात्र विजयी भगवान परशुराम ही बचे थे किन्तु विश्व विजेता महाबली भगवान श्री परशुराम ने स्वयं सम्राट बनना स्वीकार नहीं किया वरन् मलाणा नामक नगर में तत्कालीन आश्रमवासी ऋषि-मुनियों तथा युवा ब्राह्मचारी बटुकों को आमंत्रित कर एक सभा आयोजित की। इस जनप्रतिनिधियों की सभा को परिषद का नाम दिया। भगवान परशुराम ने राजा बनने से इन्कार किया और प्रस्ताव रखा कि महर्षि कश्यप

हमारे राजा होंगे। इस प्रकार प्रजातांत्रिक प्रणाली के प्रथम सूत्रधार परशुराम बने। एक देश, एक वेश, एक ध्वज और एक विचारधारा का सूत्रपात सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी महाराज ने किया। आज विश्वभर में इसी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भावना बलवती होती जा रही है। महर्षि कश्यप ने व्यंग किया कि महाराज ! आपने तो सम्पूर्ण पृथ्वी का दान कर दिया है तो फिर आप कहाँ रहेंगे? उद्भव और विकास के स्वप्नदृष्टा परशुराम जी बोले कि मैं आपके राज्य में नहीं रहूँगा। उन्होंने समुद्र में कुठार फेंककर समुद्र से भूमि मांगी और वहीं पर कोंकण (केरल) प्रदेश बसाया। आज भी गोकर्ण क्षेत्र से कन्याकुमारी तक का क्षेत्र परशुराम क्षेत्र कहलाता है। स्वयं महेन्द्र पर्वत पर तपस्या करने चले गये।

आज विश्व के समक्ष प्रमुख मुद्दे क्या है? शुद्ध सांस्कृतिक वातावरण निर्माण, शिक्षा का प्रचार-प्रसार, अनाचार, गोहत्या, आतंकवाद तथा निरंकुशता की समस्या, कृषि तथा विज्ञान आदि इत्यादि।भगवान परशुराम ने तत्कालीन आततायियों, विधर्मियों, अत्याचारियों एवं स्वेच्छाचारियों का विनाश किया। वह क्षत्रियद्रोही नहीं थे। भीष्म-कर्ण-कृष्ण सहित अनेक क्षत्रिय उनके शिष्य थे। अजात शत्रु राजा जनक (विदेह) तथा दशरथ आदि उनके समर्थक थे। वह तो अर्जुन जैसे नराधम राजाओं के शत्रु थे। उन्होंने राजशाही के आतंक का खातमा किया और प्राचीन भारतीय संस्कृति के शाश्वत वाहक ऋषि-मुनियों, मनीषियों और चिन्तकों द्वारा संरक्षित आश्रम पद्धति की पुर्नरचना की। धर्म ध्वजा फहराई। परहित किया। स्वयं के लिए कुछ भी नहीं चाहा। उन्होंने सांस्कृतिक वातावरण निर्माण किया। धरती माता की पूजा प्रारम्भ की। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया। देवासुर संग्राम की परम्परा पर अंकुश लगाया। देशद्रोहियों को दण्ड दिया। देश भक्तों को सम्मानित कराया। कृषि तथा विज्ञान के द्वार आम जनता के लिये खोले। शस्त्र और शास्त्र दोनों की शिक्षा-दीक्षा पर बल दिया। आज भारत फिर सहस्रार्जुन जैसी प्रवृत्ति के दानवों की चपेट में है। परशुराम के आदर्श आज भी अपने देश के लिये पूर्णतः प्रांसगिक हैं। कायर मानवता के उद्धार के लिये, स्वार्थी तथा आतंकवादियों के सर्वनाश के लिये और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिये आज एक नहीं अनेक परशुराम की आवश्यकता है।

आज कश्मीर समस्या का समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है? आतंकवाद की जड़े क्यों जम रही है? आये दिन घोषणायें की जा रही है। निदान ढूंढा नहीं जा रहा है। कारण-कारण स्पष्ट है कि आज के राष्ट्रीय शासकों में कुछ कर गुजरने की क्षमता नहीं, चाह भी नहीं, संकल्प शक्ति भी नहीं है। भगवान परशुराम के पक्ष में तो उनका अपना परिवार ऋषि-महर्षि तथा राजा-महाराजा कोई भी नहीं था तो भी उनकी संकल्प शक्ति सुदृढ़ थी। अकेले ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल सिद्ध हो गये थे। आज तो नेतागण लपोढ़ शंख के वंशज है जो **'वदामि च ददामि न'** के पक्षधर हैं। कहते रोज हैं, करते कुछ नहीं। ध्यान करो परशुराम जी के आचरण का, उनकी कार्यशैली का तो सब कुछ होगा। करो हमला पाकिस्तान पर, तोड़ दो उसकी नस-नाड़ियों को। फिर कौन आयेगा कश्मीर में आतंक फैलाने। उठाओं परशु को, और विजयश्री वरण करों। उस समय भी राष्ट्रप्रेमियों तथा राष्ट्र-द्रोहियों की लड़ाई थी। आज भी वही है।

आज हमारे पास तो सेना है, अस्त्र-शस्त्र भारी मात्रा में हैं - शक्ति है, सामर्थ्य है तो भी हम मारे जा रहे हैं। ऐसे में याद करो भगवान परशुराम के चरित्र को। वह अकेले अनूप देश के सम्राट सहस्रार्जुन के महिष्मति नगर में राज दरबार में अकेले धड़ल्ले से जा पहुँचे और ऊँचे स्वर में सम्राट को न केवल ललकारा बल्कि फटकारा भी और कहा - भार्गवों, यादवों नागों तथा दस्युओं पर अत्याचार बन्द करो। आश्रम क्यों जलाये जा रहे हैं? यज्ञ मण्डपों की अग्नि क्यों बुझाई जा रही है? मै इस राष्ट्र का जन्मजात गुरू हूँ। मेरी बात आदेश मानो। आर्य होकर भी तुममें आर्यों के संस्कार नहीं हैं।'' है कोई माँ का लाल जो आज इस प्रकार का साहस दिखा सके?

परशुराम जी बड़े कूटनीतिज्ञ भी थे। सहस्रार्जुन ने अपनी रखैल मृगारानी जो अत्यन्त सुन्दर स्त्री थी को परशुराम के पास भेजा। परशुराम को मोहित कर बन्दी बनाने की योजना थी। मृगा ने कहा ''मै आपके लिये अत्यन्त व्याकुल हूँ।'' परशुराम बात को ताड़ गये और बोले, ''भावना कुछ भी हो, जो मेरे लिए व्याकुल रहता है, मैं उसे दर्शन अवश्य देता हूँ।'' मृगा रानी की आँखें खुल गई और नत-मस्तक होकर बोली, ''मेरा मन शान्त हुआ। मेरा जीवन सफल और धन्य हुआ।'' मृगा भार्गवी बन गई, बहन बन गई। भगवान परशुराम ने उसे पहले देवी, फिर महादेवी और अन्त में पूज्यापद प्रदान कर दिया। शिक्षा ग्रहण करें, आज के दम्भी तथा चरित्रहीन राजनेतागण भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलें और कूटनीति में सफलता प्राप्त करें, क्योंकि भगवान परशुराम का चिन्तन भक्ति तथा विजय प्रदान कराने वाला है। वह जिस प्रकार वशिष्ठों तथा भार्गवों में एकता स्थापित कराना चाहते थे, आज भी वही वातावरण है। हिन्दू और मुसलमान अलग-अलग विचारधारा लेकर लड़ रहे हैं। एकता सम्भव नहीं लगती, किन्तु उपाय तो मात्र एकता ही है। अन्तर इतना है कि कौन पाटे इस बाहरी खाई को? स्वाधीनता संग्राम ने इस खाई की दूरी कम की थी मगर जिन्ना ने इसे अमर कर दिया। अब तो अलगाववादियों को परशुराम का कुल्हाड़ा ही सबक सिखा सकता है क्यों कि यह तो कुठार-भाषा को ही समझते हैं। नपुंसक नेतागण स्वयं तो मरेंगे ही पर यह तो देश को ही ले बैठेंगे, तब क्या होगा? अब तो परशु कूटनीति ही सफल हो सकती है।

भगवान विष्णु के छठे अवतार, शिव तथा विष्णु के ऋषिकुल में प्रथम अवतार, परम त्यागी, अखण्ड ब्रह्मचारी, महाबली, महायोद्धा, परम तपस्वी, शस्त्र तथा शास्त्रों के महान ज्ञाता, अजर-अमर , ओजस्वी, मनस्वी - तपस्वी, विलक्षण कलावतारी, सर्वगुण सम्पन्न युग पुरूष, युग दृष्टा - युग सृष्टा तथा अनुकरणीय, समादरणीय चरित्र के धनी भगवान श्री परशुराम का जीवन एक अथाह सागर हैं।

जिस प्रकार सागर में जितनी बार गोते लगाओगे, उतनी ही बार भिन्न-भिन्न प्रकार के रत्न सागर आपको दे देता है। ठीक उसी प्रकार भगवान परशुराम जी का जीवन-चरित्र है इसे जितनी बार पढ़ोगे उतनी ही बार अनेकों आधुनिक समस्याओं के निदान आपको मिलते चले जायेंगे। अतः हम यही कहना चाहते हैं कि यदि आज की ज्वलन्त समस्याओं का सही निदान चाहते हो तो ईमानदारी से भगवान श्री परशुराम के चरित्र की गहराईयों की खोज करो। उनका जीवन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना तब था।

-रामेश्वर दत्त शर्मा

भूल न करे भारत

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में राजशाही को बहाल करने की मांग को लेकर, जो भारी बवाल मचा हुआ है, उससे भारत को सतर्क रहना होगा। इसका कारण नेपाल की घटनाएं भारत पर भी असर डाल सकती हैं। इसमें कोई शक नहीं कि नेपाल की मौजूदा केपी शर्मा ओली सरकार का झुकाव पूरी तरह से चीन की ओर है। यह भी छिपा हुआ तथ्य नहीं है कि चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश और भारत के जिस हिस्से पर दावा कर रहा है वो सब नेपाल की सीमा से सटे हुए राज्य हैं। इसलिए भारत नेपाल की घटनाओं को आंख मूंदकर नहीं देख सकता। फिलहाल भारत ने वेट एंड वॉच की नीति अपनाई है। जो सही भी है। वैसे भी पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से भारत की नीति यही है कि किसी भी संप्रभु देश में किसी अन्य देश को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। बहरहाल,बीते कई दिनों से काठमांडू में सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस दौरान दो बार कर्फ्यू भी लगाना पड़ा था। इन घटनाओं के बाद से नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, साल 1768 में गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने कई रजवाड़ों को एक साथ लाकर नेपाल की नींव रखी थी। इसके बाद उन्होंने भदगांव, काठमांडू और पाटन पर जीत हासिल की और नेपाल का एकीकरण किया। नेपाल की पहचान एक हिंदू राष्ट्र के तौर पर थी। लगभग 240 वर्षों तक राजशाही जारी रही। लगभग 18 वर्ष चले लंबे संघर्ष के बाद साल 2008 में नेपाल के राजनीतिक दलों ने संसद की घोषणा के माध्यम से राजशाही को खत्म कर दिया था। इसके बाद नेपाल को हिंदू राष्ट्र के बजाय एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया गया था। वस्तुतः नेपाल में लोकतंत्र के लिए पहला आंदोलन 1950 के दशक में हुआ। इसके बाद देश में नया संविधान बनाकर चुनाव भी हुए। हालांकि, इसके कुछ ही समय बाद नेपाल के तत्कालीन राजा महेंद्र ने संसद को भंग कर के लोकतांत्रिक सरकार को हटा दिया। इसके बाद 1990 के दशक में नेपाल में लोकतंत्र के लिए एक और आंदोलन हुआ। तब तत्कालीन राजा बीरेंद्र ने संविधान में सुधारों को स्वीकार कर लिया। इसके बाद एक बहुदलीय संसद की स्थापना हुई। साल 2008 में एक शांति समझौता हुआ और नेपाल में 240 साल पुरानी राजशाही का अंत हो गया। बहरहाल, नेपाल के पूर्व पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह ने फरवरी में लोकतंत्र दिवस पर कहा था कि अब समय आ गया है जब हमें देश की सुरक्षा और एकता के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसके बाद से ही राजतंत्र के समर्थक पूरे देश में सक्रिय हो गए हैं। पूर्व राजा के समर्थक गत कई दिनों से काठमांडू और पोखरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियां निकाल रहे हैं और राजशाही को पुनः बहरहाल करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, नेपाल में राजशाही की मांग करने वाले संगठनों ने देश के राजनीतिक दलों पर भ्रष्टाचार में डूबने का आरोप लगाया है। इसके अलावा इन पर दूसरे धर्मों को बढ़ावा देने के भी आरोप लग रहे हैं। देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ी हुई है और बेरोजगारी भी बढ़ रही है।

भारत के स्टार्टअप्स की तुलना चीन से

अजीत द्विवेदी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल मुंबई में रहते हैं और इस बार तो राज्यसभा छोड़ कर मुंबई की एक सीट से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। वे कॉरपोरेट के चहेते नेता हैं। इसी योग्यता की वजह से वे लंबे समय तक भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। यह पद उनको विरासत में मिला था। पहले उनके पिता वेद प्रकाश गोयल भी भाजपा के कोषाध्यक्ष थे। यानी वे पीढ़ियों से कॉरपोरेट फ्रेंडली हैं। इसके बावजूद उन्होंने ऐसी बात कही है, जो निश्चित रूप से इस देश के किसी कॉरपोरेट को पसंद नहीं आई होगी। कई लोगों ने तो खुल कर प्रतिक्रिया भी दी और बाकी लोग मन ही मन कुढ़ रहे होंगे। गोयल ने राजनीतिक जोखिम भी लिया है।

उन्होंने जब कहा कि भारत में सिर्फ फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी या बेटिंग, गेमिंग के स्टार्टअप्स बन रहे हैं, जबकि चीन में एआई और ईवी के स्टार्टअप्स बन रहे हैं तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे पर भी सवाल खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी बार बार कहते रहे हैं कि भारत स्टार्टअप्स का कैपिटल है और दावा करते हैं कि भारत के कितने स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न बन गए यानी सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले बन गए। लेकिन उनके इस दावे के बरक्स पीयूष गोयल ने भारत के स्टार्टअप्स की हकीकत बताई है। उन्होंने बड़ा जोखिम लिया है।

पीयूष गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ में बोलते हुए कहा, %भारत में स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी, फैंसी आइसक्रीम व कुकीज, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी, बेटिंग व फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐप्स और रील्स व इन्फ्लूएंसर्स इकोनॉमी बनाने में बिजी हैं'। उन्होंने भारत के स्टार्टअप्स की तुलना चीन से करते हुए कहा कि दूसरी ओर चीन में %ईवी व बैटरी टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, एआई रोबोटिक्स व ऑटोमेशन, ग्लोबल लॉजिस्टिक्स, ट्रेड व डीप टेक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े स्टार्टअप्स शुरू हो रहे है'। गोयल इतने पर नहीं रूके उन्होंने यह भी कहा कि वे ऐसे तीन या चार अरबपतियों को जानते हैं, जिनके बच्चों ने बहुत फैंसी आइसक्रीम और कुकीज के ब्रांड बनाए और वे सफल कारोबार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे दिक्कत नहीं है लेकिन क्या यही भारत का भविष्य है और क्या देश इससे संतुष्ट है? उनको सुनते हुए कई बार लगा कि कोई कम्युनिस्ट या सोशलिस्ट लीडर बोल रहा है। उन्होंने कहा, %आज भारत का स्टार्टअप क्या है? हम फूड डिलीवरी ऐप्स पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और बेरोजगार युवाओं को सस्ता मजदूर बना रहे हैं ताकि अमीर लोग घर से निकले बगैर अपना भोजन प्राप्त कर सकें'।

भारत के वाणिज्य मंत्री ने अपने इस भाषण से ऐसी दुखद सचाई को एक्सपोज किया है, जिस पर अभी तक परदा डाला जाता रहा है और ऐसी छोटी छोटी चीजों को बड़ा बना कर देश की उपलब्धि के तौर पर पेश किया जाता रहा है। सवाल है कि भारत क्यों ऐसी स्थिति में है? भारत इस स्थिति में इसलिए है क्योंकि भारत के कारोबारी जोखिम नहीं ले सकते हैं। वे इनोवेशन यानी नई चीजों के रिसर्च में पैसा खर्च नहीं कर सकते हैं। वे अनदेखे क्षेत्र में कदम ही नहीं रख सकते हैं। बचपन से इस देश में %महाजनो येन गत-स पंथा' पढ़ाया जाता है। यानी समझदार लोग जिस रास्ते पर गए हों उसी पर चलें। लीक छोड़ कर चलने की शिक्षा नहीं दी जाती है। तभी भारत के कारोबारी इंतजार करते हैं कि दुनिया के दूसरे देशों में लोग रिसर्च पर पैसे खर्च करें और नई तकनीक ईजाद करें और उत्पाद बना लें तो वे बाद में उसका इस्तेमाल कर लेंगे। यानी इनोवेटर नहीं कंज्यूमर बनने की ही सोच देश के खरबपतियों की भी है।

तभी दुनिया भर के देशों में जब फूड डिलीवरी ऐप्स बन गए, डिजिटल भुगतान के ऐप्स बन गए, कैब और फूड एग्रीगेटर के ऐप्स बन गए तो भारत के अरबपतियों ने उनकी नकल करके अपने ऐप्स बनाए और सचमुच भारत के बेरोजगार युवाओं को सस्ते मजदूर में बदल दिया। स्विगी, जोमैटो से लेकर ब्लिंकिट और बिग बास्केट तक और भारत पे से लेकर पेटीएम तक और ओला से लेकर मिंत्रा तक और जेरोधा से लेकर ग्रो तक जितने भी ऐप्स बन हैं और जिनसे भारत में नई पीढ़ी के अरबपति बने हैं उनमें से कोई भी ऐप नया इनोवेशन नहीं है और कोई भी ऐप ऐसा नहीं है, जो भारत से बाहर दुनिया के दूसरे देश में इस्तेमाल किया जा रहा हो और उससे भारत में पैसा आ रहा हो। लगभग सारे स्टार्टअप्स और सारे ऐप्स भारत के लोगों को छोटी छोटी सुविधाएं देने के लिए ही हैं। उनसे भारत को बड़ी इकोनॉमी बनाने या भारत की बुनियादी व चिरंतन समस्याओं के समाधान का रास्ता नहीं बनता है।

पीयूष गोयल ने सिर्फ चीन से तुलना की अगर अमेरिका और यूरोप के देशों से तुलना की जाए तो भारत के स्टार्टअप्स और भी थके हुए और समय से पीछे के दिखाई देंगे। कोई भी नया इनोवेशन नहीं है। कोई भी तकनीक ऐसी नहीं है, जिसे पेटेंट कराया जाए तो दुनिया वाह कहे और उसका इस्तेमाल करने के लिए लाखों, करोड़ों डॉलर खर्च करे। भारत के खरबपति सरकारी नियम, कानूनों और देश की संपदा का इस्तेमाल करके अपनी संपत्ति बढ़ाते हैं। उनको नया कुछ भी करने की जरुरत नहीं है। इसी तरह भारत के जो स्टार्टअप्स हैं उन्हें शुरू करने वालों के पास भी कोई नया आइडिया नहीं है। वे दुनिया में आजमा लिए गए आइडिया पर ही काम करते हैं। सैम ऑल्टमैन और इलॉन मस्क ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर काम किया और ओपन एआई की स्थापना की, जिससे पूरी दुनिया में एआई की क्रांति आई है। गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, एक्स से लेकर आयोस, एंड्रॉयड तक सारी प्रौद्योगिकी का आविष्कार दूसरे लोगों ने किया। भारत के खरबपति और स्टार्टअप्स शुरू करने वाले युवा ऐसी ही तकनीकों का इस्तेमाल करके कमाई कर रहे हैं।

ऐसा नहीं हुआ कि अमेरिका में ओपन एआई के तहत चैटजीपीटी बना तो भारत में किसी ने जेनेरेटिव एआई टूल्स बनाने में निवेश किया और कुछ नया बना लिया लेकिन चीन के एक उद्यमी ने डीपसीक बना लिया। अब भारत या तो चैटजीपीटी का इस्तेमाल करेगा या डीपसीक का करेगा। इस मामले में अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से बेहतर नहीं है भारत की स्थिति। उधर चीन में बैटरी तकनीक पर इतना काम हुआ है कि उसकी इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी बीवाईडी और ली ऑटो ने अमेरिका की टेस्ला और जर्मनी के फॉक्सवैगन की नींद उड़ा रखी है।

इधर भारत में ओला ने ईवी स्कूटर बनाया तो हजारों, लाखों ग्राहक रोज शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं और कंपनी उनकी शिकायतें दूर करने में सक्षम नहीं है। भारत में डीप टेक यानी बड़े तकनीकी आविष्कार की सोच और क्षमता नहीं है। स्टार्टअप्स करने वाले युवाओं के पास भी कोई आइडिया या तकनीकी जानकारी नहीं है। चीन में डीप टेक के काम में लगी छह हजार कंपनियों ने एक सौ अरब डॉलर का वेंचर कैपिटल जुटाया है। ये कंपनियां एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च के काम में लगी हैं। ये आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, एयरोस्पेस, क्लीन एनर्जी और एडवांस्ड मैटेरियल के फील्ड में रिसर्च कर रही हैं। भारत में शायद ही इस तरह के फील्ड में कोई स्टार्टअप कंपनी काम कर रही है। सरकार भी ऐसे फील्ड में रिसर्च में ज्यादा पैसा खर्च नहीं करती है। सो, पीयूष गोयल ने जो सवाल उठाए हैं उनका जवाब भारत सरकार को भी देना चाहिए। भारत में अगर तकनीक के क्षेत्र में कुछ निवेश और स्टार्टअप्स हैं भी तो सिर्फ %सॉफ्टवेयर एज अ सर्विस सेक्टर' यानी कॉल सेंटर या आईटी आधारित सेवाओं में है। यह भी कुलीगीरी का ही काम है। यह सही है कि चीन में भी बहुत सी कंपनियों ने पहले घरेलू उपभोक्ताओं का ध्यान रख कर उनकी जरूरतों को पूरा करने वाला ऐप बनाया लेकिन यह बहुत पहले की बात है। भारत में जो आज हो रहा वह कई बरस पहले चीन में हो चुका है। भारत पे बनाने वाले अशनीर ग्रोवर ने कहा कि चीन में भी पहले फूड डिलीवरी ऐप बने और तब डीप टेक के ऐप्स बने। लेकिन क्या भारत में ऐसा हो सकता है कि जो फूड डिलीवरी ऐप बना रहे हैं वे डीप टेक में रिसर्च करेंगे? जेप्टो के आदित पलिचा या भारत के अशनीर ग्रोवर या शादी डॉटकॉम के अनुपम मित्तल बेवजह आहत हुए हैं। ये लोग कुछ नहीं कर रहे हैं और न कर सकते हैं। इन लोगों ने दुनिया के विकसित देशों की तकनीक की नकल करके जो कुछ भी बनाया है उसमें भी कंपीटिशन नहीं झेल सकते हैं। कोई बाहरी खिलाड़ी आ जाए तो उसको अपना सब कुछ बेच कर निकल लेंगे।

विशेषज्ञों से मांगी जा रही राय, कैसे संभव होगा एक साथ चुनाव

देश में लोकसभा और सारी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने को लेकर 129वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच-पड़ताल करने के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति इस समय देश के विधि विशेषज्ञों से चर्चा कर उनकी राय जान रही है। सुप्रीम कोर्ट के अवकाश प्राप्त चीफ जस्टिस यू यू ललित ने समिति के सम्मुख मत व्यक्त किया कि 30 से 40 प्रतिशत कालावधि बाकी रहते यदि विधानसभा को विसर्जित कर एक साथ चुनाव कराने की बात हुई तो इससे संविधान के आधारभूत ढांचे को आघात पहुंचेगा तथा ऐसे कदम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

एक अन्य पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई ने कहा कि इस संविधान संशोधन बिल में कुछ कमियां हैं. चुनाव आयोग को विधानसभा की कालावधि कम या ज्यादा करने का अधिकार देना अनुचित होगा। दूसरी ओर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने संयुक्त संसदीय समिति को बताया कि एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र विरोधी नहीं है और इससे संघ राज्य रचना को नुकसान नहीं पहुंचेगा। सरकार की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने पर भारी खर्च होता है। आचार संहिता लागू होने से महत्वपूर्ण प्रशासकीय व विकास के काम ठप हो जाते हैं। सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च में कितनी बचत होगी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की उच्चाधिकार समिति ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव करा लिए जाने चाहिए. मुद्दा यह है कि एक साथ चुनाव कराना कब संभव होगा? लोकसभा चुनाव के बाद नई लोकसभा की पहली बैठक के दिन राष्ट्रपति अधिसूचना जारी करते हैं कि इस सदन का कार्यकाल 5 वर्ष रहेगा. 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी अधिसूचना जारी होने पर सदन का कार्यकाल 2034 तक रहेगा इसलिए कम से कम 10 वर्षों तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाने की कोई संभावना नहीं है।

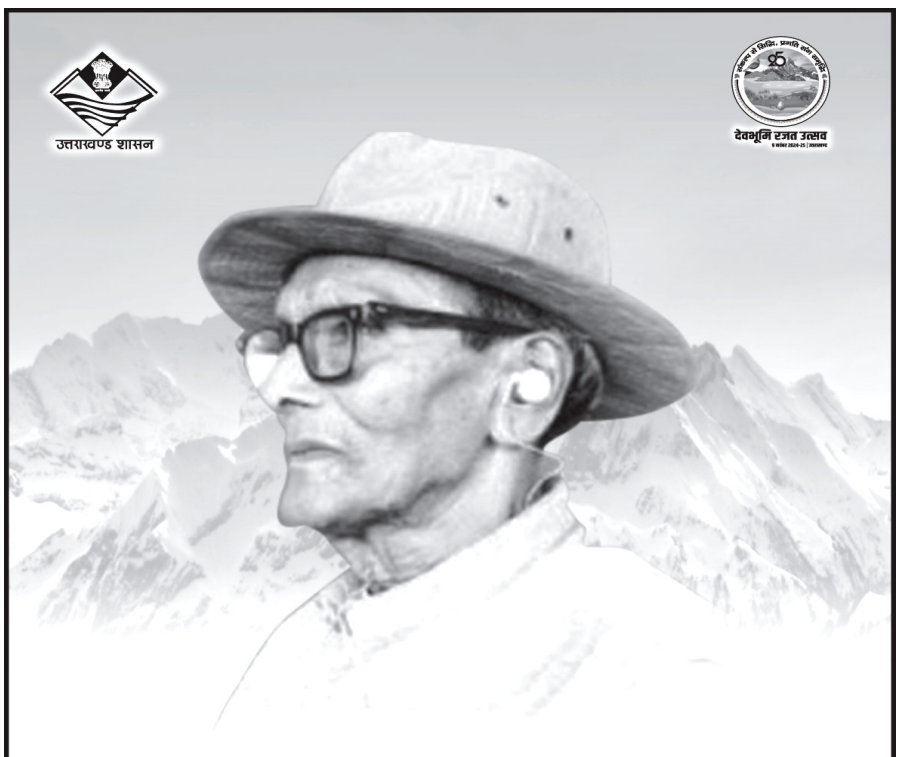

उत्तराखण्ड की माटी में जन्मे,
भारत माँ के वीर सपूत

पेशावर कांड के नायक

स्व. वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली जी

तथा उनके साथियों को
पेशावर कांड की वर्षगांठ पर
प्रदेशवासियों की ओर से

॥ शत्-शत् नमन ॥

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

Website: www.uttarainformation.gov.in UttarakhandDIPR DIPR_UK

जाट की रिलीज के एक हफ्ते बाद मेकर्स ने किया सीक्वल का एलान

, नए मिशन के साथ लौटेंगे सनी देओल

सनी देओल की नई एक्शन थ्रिलर फिल्म जाट बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. इस फिल्म ने अपने 100 करोड़ रुपये के बजट का लगभग 70 प्रतिशत वसूल कर लिया है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है. एक हफ्ते के अंदर ही फिल्म ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. बॉक्स ऑफिस पर जाट की सफलता के बीच, मेकर्स ने फिल्म के सीक्वल का एलान किया है.

सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह की एक्शन फिल्म जाट सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है. रिलीज के एक हफ्ते बाद, मेकर्स ने इसके सीक्वल का अनाउंसमेंट किया है. गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित एक्शन-थ्रिलर सनी देओल के साथ कहानी को आगे बढ़ाएगी.

मैथ्री मूवी मेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर जाट 2 के पोस्टर के साथ इसका एलान किया है और कैप्शन में लिखा है, बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद जाट अभी रुका नहीं है. वह एक नए मिशन पर हैं. इस बार, मास फेस्ट बड़ा, बोल्ड और ज्यादा जंगली होगा. फिलहाल अभी जाट 2 की रिलीज की तारीख की पुष्टि की जानी बाकी है.

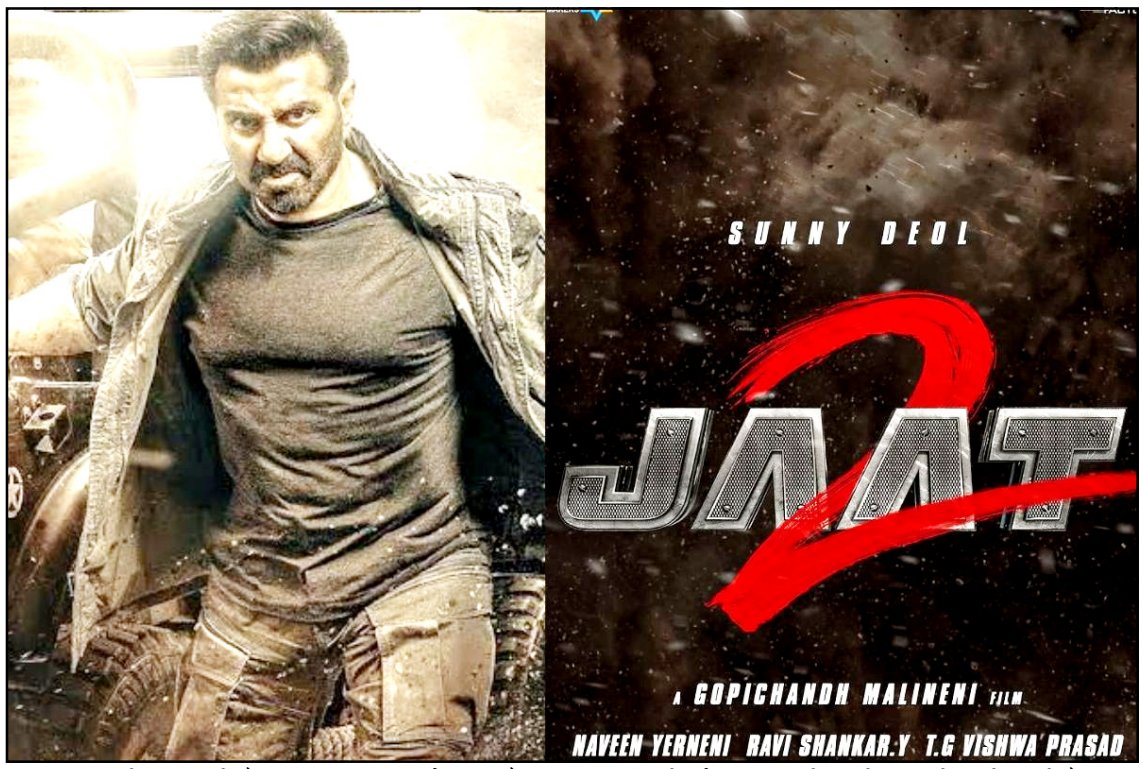

वहीं, सनी देओल ने भी अपनी यह खुशी फैंस संग साझा की है. उन्होंने ने भी इंस्टाग्राम पर जाट 2 का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, जाट एक नए मिशन पर. जाट2 जाट 2 के अनाउंसमेंट के बाद फैंस में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है. सनी देओल के पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, एक बार फिर से पूरा इंडिया घूंज ऊठैगा जाट 2. एक फैन ने लिखा है, लव यू पाजी. हम इंतजार करेंगे जाट 2 का. एक दूसरे फैन ने लिखा है, वॉउ, मैं बहुत एक्साइटेड हूं.

मेकर्स ने अभी-अभी जाट के 7वें दिन के कलेक्शन का आंकड़ा शेयर किया है. मेकर्स के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, जाट ने एक सप्ताह में 70.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. फिल्म ने 7वें दिन सबसे कम कलेक्शन किया. इसने बुधवार को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 4.95 करोड़ रुपये ही कमाए. सनी की एक्शन फिल्म जाट, निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की हिंदी भाषा में पहली फिल्म है. इस फिल्म में रणदीप हुड्डा खलनायक की भूमिका निभात नजर आए हैं. इसमें जगपति बाबू, रेजिना कैसांद्रा, सैयामी खेर, विनीत कुमार सिंह, प्रशांत बजाज, जरीना वहाब जैसे अन्य कलाकार भी शामिल हैं. फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली. लेकिन दर्शकों को सनी देओल

ज्वेल थीफ का नया गाना इल्जाम जारी

सैफ अली खान पिछली बार फिल्म देवरा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

पिछले कुछ समय से सैफ अपनी आगामी फिल्म ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स को लेकर चर्चा में हैं।

फिल्म में जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में होंगे। कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

जादू के बाद अब निर्माताओं ने ज्वेल थीफ का नया गाना इल्जाम जारी कर दिया है। इस गाने का मुख्य आकर्षण सैफ अली खान और निकिता दत्ता के बीच की शानदार केमिस्ट्री है। उनकी स्क्रीन पर उपस्थिति मंत्रमुग्ध कर देने वाली है, जिसमें निकिता शालीनता और संवेदनशीलता का अद्भुत संतुलन प्रस्तुत करती हैं।

उनकी भावनात्मक आँखें बहुत कुछ कहती हैं, और उनका सूक्ष्म अभिनय ट्रैक के भावनात्मक गहराई को उजागर करता है। सैफ ने भी उन्हें बेहतरीन समर्थन दिया है, जो उनकी बातचीत में एक शांत जुनून और गहराई लाता है। उनके बीच का संबंध परिपक्व, स्तरित और गहन रोमांटिक प्रतीत होता है, जिससे हर शॉट में तनाव और कोमलता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है, जिसे रॉबी ग्रेवाल और कुकी गुलाटी की जोड़ी ने निर्देशित किया है।

गाने का संगीत साउंडट्रैक और अनीस अली साबरी ने तैयार किया है और गाने को विशाल मिश्रा और शिल्पा राव ने गाया है, जबकि गीत कुमार ने लिखे हैं। निकिता की शान और भावपूर्ण गहराई कहानी को समृद्ध बनाती है, जिससे सैफ के साथ उनकी केमिस्ट्री न केवल विश्वसनीय, बल्कि आकर्षक बन जाती है। अपने आकर्षक दृश्यों और भावपूर्ण धुन के साथ, यह गाना ज्वेल थीफ के भावनात्मक कोर के लिए स्वर सेट करता है - रहस्यमय, अंतरंग और अविस्मरणीय।

इस फिल्म के निर्देशन की कमान कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने संभाली है, वहीं सिद्धार्थ आनंद फिल्म के निर्माता हैं।

बता दें कि ज्वेल थीफ सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा।

द भूतनी की रिलीज डेट पोस्टपोन, अब अजय देवगन की रेड 2 से टकराएगी संजय दत्त की हॉरर कॉमेडी

संजय दत्त और मौनी रॉय स्टारर द भूतनी का रिलीज डेट पोस्टपोन कर दिया गया है. यह फिल्म इस हफ्ते रिलीज होने वाली थी, जो कि अब नहीं होगी. मेकर्स ने आखिरी समय में फिल्म की रिलीज डेट बदलने का फैसला किया है. अब द भूतनी बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की रेड 2 से टकराएगी.

संजय दत्त ने एक्स हैंडल पर द भूतनी की नई रिलीज डेट का खुलासा किया है. उन्होंने नई रिलीज डेट के साथ एक हॉरर फिल्म का नया पोस्टर साझा किया और कैप्शन में लिखा है, इंसान मोहब्बत वाली डेट फिक्स कर सकता है, भूतनी के आने की नहीं... वो कब आएगी, कैसे आएगी, ये सिर्फ वही जानती है. लगा था 18 अप्रैल को आएगी लेकिन अब आ रही है 1 मई को, तैयार रहना. द भूतनी- 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में. अब द भूतनी 1 मई 2025 को रिलीज होगी. ध्यान देने वाली बात यह है कि संजय दत्त की हॉरर कॉमेडी फिल्म अब मजदूर दिवस यानी महाराष्ट्र दिवस पर अजय देवगन और रितेश देशमुख की रेड 2 से क्लैश करेगी. द भूतनी का अजय देवगन की फिल्म रेड 2 से जबरदस्त क्लैश होने वाला है. सभी जानते हैं कि अजय देवगन और संजय दत्त के बीच दोस्ती का रिश्ता काफी मजबूत है. इसलिए, दोनों एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद एक दूसरे की फिल्मों का समर्थन करेंगे. द भूतनी का निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है. इसमें सनी सिंह, पलक तिवारी, निक और आसिफ खान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. संजय दत्त ने दीपक मुकुट के साथ मिलकर इस फिल्म का सह-निर्माण किया है.

वमीका गब्बी ने पर्पल गाउन में ढाया कहर

बॉलीवुड और ओटीटी की मशहूर एक्ट्रेस वमीका गब्बी ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दिया है. वमीका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टनिंग फोटोशूट की झलक दिखाई, जिसमें वह पर्पल गाउन में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. तस्वीरों को शेयर करते हुए वमीका ने कैप्शन में लिखा, आज कुछ नहीं लिखूंगी! ज् अरे नहीं!. उनके इस पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, अति आश्चर्यजनक!, वहीं एक अन्य फैन ने लिखा, वाह, क्या नज़ारा है!! उनकी इस तस्वीर पर अब तक 4 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और यह तेजी से वायरल हो रही है.

वमीका गब्बी अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. उनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर छा जाती है, और इस बार भी उन्होंने फैंस को अपनी स्टाइलिश लुक से दीवाना बना दिया है.

कपड़े को नुकसान पहुंचाए बिना जिद्दी दाग हटा देगी ये नेचुरल ट्रिक, आजमा कर देखें

हल्दी भारतीय व्यंजनों का एक अभिन्न अंग है. यह न केवल अपने स्वाद और रंग के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसके औषधीय गुणों के लिए भी प्रसिद्ध है. हालांकि, इसकी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक कपड़ों पर छोड़े जाने वाले जिद्दी पीले दाग हैं! कई लोगों की शिकायत होती है कि हल्दी का दाग एक बार लग जाने के बाद कभी नहीं जाता है. हल्दी में मौजूद करक्यूमिन घटक रंग को बनाए रखने की क्षमता रखता है, जिससे दागों को आसानी से हटाना मुश्किल हो जाता है. लेकिन चिंता ना करें! कुछ आसान और नेचुरल घरेलू उपायों से आप अपने कपड़े को नुकसान पहुंचाए बिना घर पर ही इन दागों को साफ कर सकते हैं. खबर के माध्यम से जाने कैसे...

नींबू और नमक- नेचुरल क्लीनर

यदि आपके कपड़ों पर हल्दी का दाग ताजा है, तो आप इसे नींबू के रस और नमक का उपयोग करके हटा सकते हैं. दाग पर ताजा नींबू निचोड़ें, थोड़ा नमक छिड़कें और धीरे से रगड़ें. इस मिश्रण को दाग पर 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर कपड़े को धो लें. धूप में सुखाने पर रिजल्ट बेहतर दिखते हैं.

नींबू और नमक कपड़े से कॉफी, चाय या पसीने के दाग भी हटा सकते हैं

कपड़े के दाग वाले हिस्से पर थोड़ा नमक छिडक़ें. आधे कटे नींबू से रगड़ें.

फिर कपड़े को डिटर्जेंट से धोएं, ऐसा करने से दाग जल्दी हट जाएंगे

बेकिंग सोडा: जिद्दी दागों के लिए एक इफेक्टिव तरीका

जिद्दी दागों के हटाने के लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा और थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को दाग वाले जगह पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें. फिर पेस्ट सूख जाने के बाद उसे हल्के हाथों से रगड़ें और कपड़े को ठंडे पानी से धो लें. ऐसा करने से सख्त दाग कपड़े से जल्दी हट जाएंगे.

विनेगर का इस्तेमाल- दाग-धब्बे हल्के करने के लिए बढिय़ा

सफेद सिरके के एसिटिक गुण हल्दी के दागों को हटाने में मदद करते हैं. आप कपड़ों पर लगे दागों को हटाने के लिए सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं. साबुन के जमाव की तरह, गंदगी और खाने के कण सिरके के संपर्क में आने पर हल्के हो सकते हैं. ऐसा करने के लिए, एक गिलास पानी में 1 कप सिरका घोलें. फिर उस घोल को सीधे दाग वाली जगह पर डालें और थपथपाएं. फिर, इसे कुछ मिनट तक लगा रहने दें और फिर कपड़े को धो लें. यदि आवश्यक हो तो प्रक्रिया को दो बार दोहराएं

हैंड सैनिटाइजर या अल्कोहल

हैंड सैनिटाइजर कपड़ों से दाग हटाने में कारगर हो सकता है, खास तौर पर स्याही, खून और हल्दी दाग. सैनिटाइजर में मौजूद अल्कोहल दाग हटाने मदद करता है, ऐसे में यदि हल्दी का दाग कपड़े काफी समय से लगा हुआ है तो थोड़ा सा हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें. इसे दाग पर लगाकर 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर धीरे से रगड़ें. फिर कपड़े को साबुन के पानी में धो लें. ऐसा करने से दाग कपड़े से जल्दी हट जाएंगे.

टूथपेस्ट : कपड़े से दाग हटाने का आसान तरीका

सादे सफेद टूथपेस्ट से कपड़ों से दाग हटाने का एक कारगर और आसान तरीका हो सकता है. कपड़े से दाग हटाने के लिए टूथपेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं, फिर इसे 15 मिनट के लिए छोड़ दें, और गीले कपड़े से पोंछ दें. फिर कपड़े को धो लें. टूथपेस्ट में मौजूद सफाई तत्व दाग को हल्का कर देते हैं और इससे आसानी से दाग निकल जाते हैं.

घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं हेयर क्लींजर

सर्दियों के दौरान बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। वहीं, रोजाना शैंपू करने से बालों की प्राकृतिक नमी निकल जाती है, जिससे स्कैल्प में खुरदरापन और रूखापन बढ़ सकता हैं क्योंकि ज्यादातर शैंपू में सिलिकॉन और सल्फेट्स जैसे तत्व होते हैं। हालांकि, घरेलू हेयर क्लींजर सुरक्षित होते हैं और बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के बालों की कई समस्याओं का इलाज करते हैं। आइए आज पांच तरह के हेयर क्लींजर बनाने के तरीके जानते हैं।

हर्बल हेयर क्लींजर-शिकाकाई, रीठा और आंवला से बना हर्बल हेयर क्लींजर बालों के विकास को बढ़ावा देगा, डैंड्रफ को कम करेगा और बालों के झड़ने को रोकने समेत बालों में चमक लाने में मदद कर सकता है। इसके लिए गरम पानी में शिकाकाई पाउडर, रीठा पाउडर और आंवला पाउडर मिलाएं। अब इस मिश्रण से अपने बालों और स्कैल्प की तीन-चार मिनट तक मसाज करें। फिर पांच मिनट बाद पानी से सिर को धो लें। बनाना स्मूदी हेयर क्लींजर-दूध, शहद और केले के गुणों से भरपूर यह हेयर क्लींजर आपके बालों को घना, मजबूत और चमकदार बनाने के साथ-साथ बालों के रोमछिद्रों को नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में दूध, केला और शहद को तब तक फेंटें जब तक कि वह चिकना और गाढ़ा न हो जाए। इसके बाद इस पेस्ट से अपने बालों पर मसाज करें और कुछ मिनट बाद सामान्य तापमान वाले पानी से सिर को धो लें।

गुड़हल का हेयर क्लींजर-गुड़हल का फूल कई ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों और स्कैल्प को गहराई से साफ करने समेत बालों के झड़ने और डैंड्रफ का इलाज करने में काफी मदद कर सकते हैं। इसका हेयर क्लींजर बनाने के लिए गुड़हल की पंखुड़ियों को थोड़े से पानी के साथ पीसकर पतला और चिकना मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से अपने सिर की मसाज करने के पांच मिनट बाद इसे पानी से धो लें। खीरे का हेयर क्लींजर-यह हेयर क्लींजर आपके सिर की त्वचा को ठंडक देगा, बालों को मजबूत करने समेत इसके विकास को बढ़ावा देने में बहुत मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले नींबू के रस और खीरे के टुकड़ों को थोड़े से पानी के साथ ब्लेंड करें। अब इस मिश्रण से धीरे-धीरे अपने बालों की मसाज करें। इसके बाद अपने बालों को सामान्य पानी से धो लें। बेसन और दही हेयर क्लींजर-यह हेयर क्लींजर आपके स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करके रूखेपन से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें शामिल दही स्कैल्प के संक्रमण से बचाता है और स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा दे सकता है। इसके लिए थोड़ा दही समेत बेसन मिलाएं और इसे अपने बालों और स्कैल्प पर लगाकर अच्छे से मसाज करें और पांच मिनट बाद सामान्य पानी से सिर को धो लें।

लोगों को हैं नमक के सेवन से जुड़े कुछ भ्रम

बढ़ता हुआ रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो कई बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके लिए आमतौर पर खान-पान में शामिल नमक को जिम्मेदार ठहराया जाता है। इसलिए डॉक्टर भी नमक की खपत कम करने की सलाह देते हैं। हालांकि, क्या वाकई ऐसा करना जरूरी है? आज हम आपको नमक से जुड़े कुछ आम मिथकों की सच्चाई बताएंगे, ताकि आप बेहतर निर्णय ले सकें।

क्या वाकई नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

नमक की अधिक खपत को हाई ब्लड प्रेशर का कारण माना जाता है। हालांकि, इसका असल प्रभाव उतना नहीं होता, जितना हम सभी सोचते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, सामान्य मात्रा में नमक का सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर पर कोई खास असर नहीं पड़ता है। अगर आप पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं तो अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही नमक को डाइट में शामिल करें।

नमक के कारण शरीर में पानी रुकता है?

यह सच है कि नमक का सेवन करने से शरीर में पानी रुकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नमक बिलकुल नहीं खाना चाहिए। दरअसल, पानी की रूकावट का कारण सिर्फ नमक नहीं होता। इसके अलावा, मौसम, शारीरिक गतिविधि और डाइट जैसे कई अन्य कारण भी होते हैं, जो इस परेशानी को बढ़ाते हैं। इसलिए, संतुलित मात्रा में नमक खाएं और पौष्टिक डाइट भी अपनाएं। साथ ही, रोजाना एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दें।

नमक का सेवन करने से दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है?

यह एक आम धारणा है कि नमक का अधिक सेवन करने से दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हालांकि, इसका कोई भी वैज्ञानिक आधार नहीं है और कई अध्ययनों ने इस बात को गलत साबित किया है। सीमित मात्रा में नमक का सेवन करने से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है और आप स्वस्थ रह सकते हैं। इसलिए, बिना किसी डर के अपनी डाइट में नमक को शामिल करें, लेकिन इसकी अधिकता से बचें।

अपनी डाइट में शामिल करें मूली के पत्ते

सर्दियों में हम अक्सर गर्म और पौष्टिक चीजें खाने की सोचते हैं। ऐसे में मूली के पत्ते एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

मूली के पत्तों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो सर्दियों में शरीर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि क्यों आपको अपनी सर्दियों की डाइट में मूली के पत्तों को जरूर शामिल करना चाहिए।

इम्यूनिटी बढ़ाने में है सहायक

मूली के पत्ते विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूती देने में मदद कर सकता है। सर्दियों में ठंड और फ्लू जैसी बीमारियां आम होती हैं तो ऐसे में इम्यूनिटी बढ़ाना बहुत जरूरी होता है।

मूली के पत्ते खाने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ सकती है, जिससे आप बीमारियों से बच सकते हैं। इसके अलावा इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं।

हड्डियों को दे सकते हैं मजबूती

मूली के पत्तों में कैल्शियम और फास्फोरस जैसे खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

सर्दियों में हड्डियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है इसलिए इनकी देखभाल करना जरूरी है।

मूली के पत्तों के सेवन से हड्डियां मजबूत बनी रहती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके अलावा ये पत्ते शरीर को आवश्यक पोषण भी प्रदान करते हैं, जिससे आपकी हड्डियां लंबे समय तक स्वस्थ रहती हैं।

जन शिकायतों के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए :सीएम

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जन शिकायतों का शीघ्रता से समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। आगामी चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, होटल व्यवसायियों तथा अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने सभी विभागीय सचिवों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा के दौरान विभागों और जिला प्रशासन के स्तर पर सभी व्यवस्थाएं बेहतर बनाई जाए। चारधाम यात्रा आस्था का प्रमुख केन्द्र होने के साथ ही स्थानीय लोगों की आजीविका से भी जुड़ी है। चारधाम यात्रा से जुड़े सभी हितधारकों से निरन्तर समन्वय बनाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये हैं। चारधाम यात्रा को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए जन सहयोग भी लिया जाए। यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने बैठक में वनाग्नि प्रबंधन के लिए वन विभाग के साथ सभी जिलाधिकारियों को पूर्ण तैयारी करने के निर्देश दिये है। वनाग्नि की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। वनाग्नि नियंत्रण के लिए त्वरित कार्यवाही के लिए स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के नम्बर भी अपडेट रखे जाएं, ताकि वनाग्नि की घटना होने पर शीघ्रता से नियंत्रण किया जा सके। वनाग्नि की संभावना वाले क्षेत्रों में टीमें तैनात की जाए और उनकी निरंतर मॉनिटरिंग भी की जाए। मोबाइल गश्त टीमें भी तैनात की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गर्मियों में लोगों को पेयजल की दिक्कत न हो। पेयजल की समस्याएं आने पर उनका त्वरित समाधान किया जाएं। पेयजल टैंकर की भी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी जिलाधिकारियों को पेयजल की समस्याओं के समाधान के लिए अपने स्तर से बैठक करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। उन्होंने आगामी मानसून सीजन के दृष्टिगत भी सभी सुरक्षात्मक उपाय करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों से बाढ़ सुरक्षा से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। जल भराव की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सभी उपचारात्मक कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारियों द्वारा जन सुनवाई नियमित की जाए। तहसील दिवस, बीडीसी की बैठकों और बहुद्देशीय शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को अनावश्यक रूप से दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े। ई-सेवाओं के माध्यम से लोगों को अधिकाधिक लाभान्वित किया जाए। अनावश्यक रूप से कार्यों में लेटलतीफी करने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्युत बिलों को लेकर प्राप्त हो रही शिकायतों का तुरंत निस्तारण किया जाए। स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य में बाहरी लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए। अवैध अतिक्रमण पर नियमित कार्रवाई की जाए। आधार कार्ड, वोटर आईडी, बिजली-पानी कनेक्शन जैसी सुविधाएं अनधिकृत रूप से अपात्र लोगों को प्रदान करने वाले कार्मिकों को तत्काल निलंबित कर टर्मिनेशन की कार्यवाही भी प्रारंभ की जाए।

यह राज्य की सुरक्षा से जुड़ा विषय है, जिसमें कोई समझौता नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने दोनों मण्डल आयुक्तों को निर्देश दिए कि वे स्वयं फील्ड में जाकर इन निर्देशों की प्रगति का भौतिक सत्यापन करें और आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व सभी कार्यों की प्रगति रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, आयुक्त कुमाऊं श्री दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल श्री विनय शंकर पाण्डेय और सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

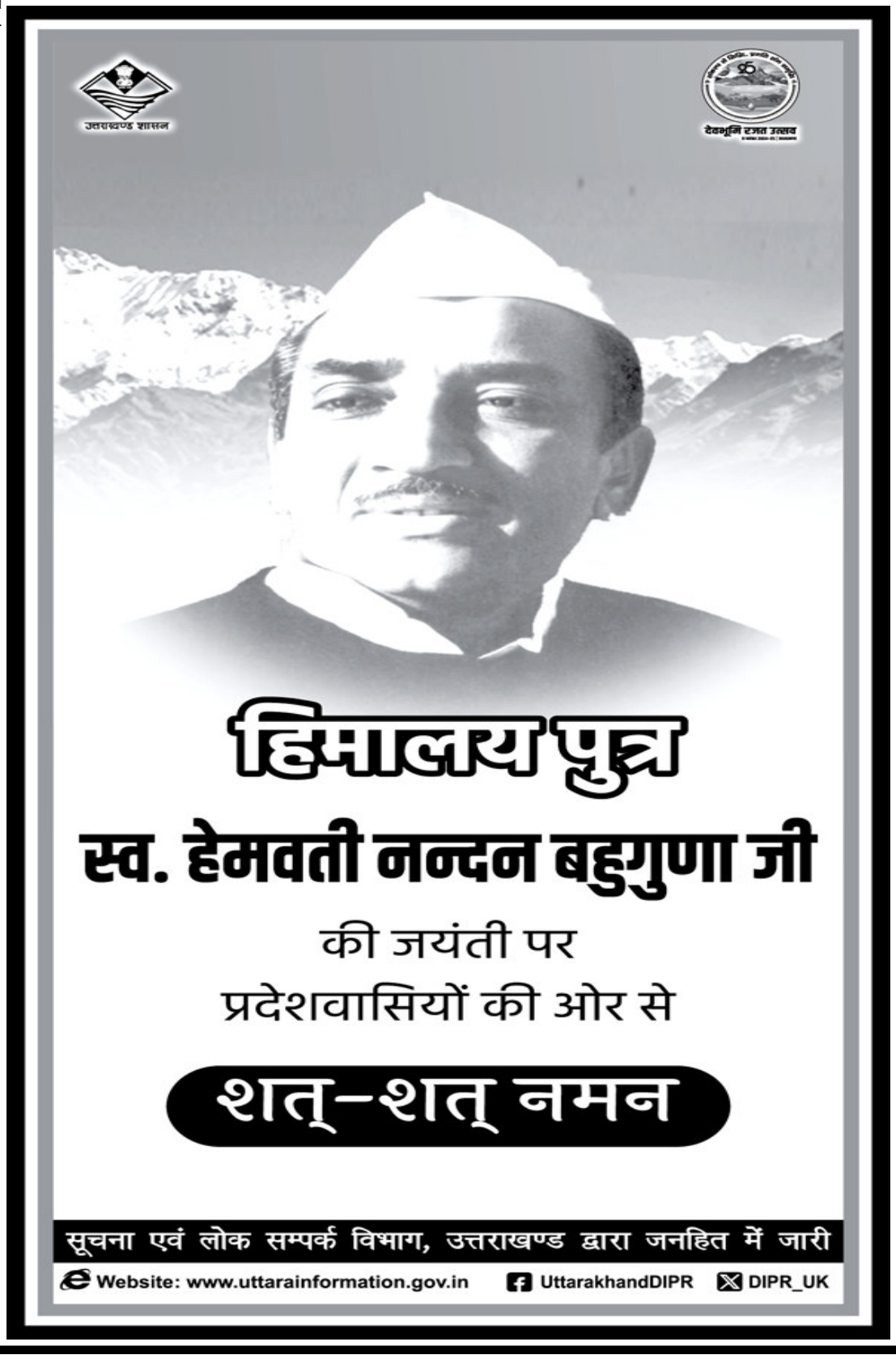

देश में भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश कर रही कांग्रेस : जोशी

हरिद्वार । भाजपा के वरिष्ठ नेता मथुरा दत्त जोशी ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी की संविधान बचाओ यात्रा को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, जबकि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां निराशा और हताशा में देश में भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पर आरोप लगाया कि संविधान बचाने का ढोंग वही पार्टी कर रही है, जिसका इतिहास संविधान और लोकतंत्र के दमन से भरा हुआ है। उन्होंने आपातकाल, धारा 356 के दुरुपयोग, संविधान संशोधनों, अनुच्छेद 370 की स्थापना और शाहबानो प्रकरण का उल्लेख कर कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब देश पुलवामा हमले के बाद एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा था, तब कांग्रेस देश में भ्रम और नकारात्मकता फैलाने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सेना के पराक्रम पर भी सवाल उठाए, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक को शक की निगाहों से देखा और सेना प्रमुख तक का अपमान किया।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम

हरिद्वार । भारतीय शिक्षण मंडल दिल्ली प्रान्त का महाराजा अग्रसेन आश्रम में रविवार को आयोजित अभ्यास वर्ग में दिल्ली प्रान्त कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी और विश्वविद्यालय इकाई के 75 दायित्ववान कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम मिशन के अध्यक्ष आशीष गौतम ने कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम है। अखिल भारतीय संगठन मंत्री शंकरानंद ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा एक शिक्षा संबंधित संगठन है। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को सही दिशा मिल सकती है ढ्ढ उपाध्यक्ष प्रो. आर के गुप्ता ने अभ्यास वर्ग के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।